बिहार के प्रमुख औद्योगिक प्रदेश

बिहार परंपरागत उद्योग-धंधों का केन्द्र रहा है। झारखंड के अलग होने से पूर्व बिहार एक प्रमुख औद्योगिक राज्य था परन्तु विभाजन के उपरांत अधिकांश खनिज आधारित उद्योग तथा खनिज उत्पादन से वंचित हो गया।

वर्तमान समय में औद्योगिक दृष्टिकोण से यह एक पिछड़ा राज्य है। फिर भी यहाँ पर लगभग 248 बड़े और मध्यम आकार के उद्योग स्थित हैं। 45000 हारेलू उद्योग यहाँ पंजीकृत हैं।

वस्तुतः बिहार में अधिकांशतः उद्योग का विकास हुआ है। वैसे दक्षिण बिहार विशेषकर सोन नदी घाटी तथा गया, सासाराम, बक्सर क्षेत्र में खनिज आधारित उद्योगों का विकास हुआ है। विभिन्न उद्योगों के संकेन्द्रण को ध्यान में रखते हुए बिहार को निम्न औद्योगिक प्रदेश में विभाजित किया जा सकता है —

1. चीनी उद्योग प्रदेश
2. चावल-मील औद्योगिक प्रदेश
3. जूट-उद्योग का औद्योगिक प्रदेश
4. पश्चिमी मध्यवर्ती औद्योगिक प्रदेश
5. पूर्वी मध्यवर्ती औद्योगिक प्रदेश
6. सोन घाटी औद्योगिक प्रदेश
7. गया - गुराक्र औद्योगिक प्रदेश

चीनी औद्योगिक प्रदेश

- इस औ० प्र० का विकास बिहार के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में हुआ है। इसके अंतर्गत पश्चिमी व पूर्वी चम्पारण सिवान, गोपालगंज, सारण इत्यादि जिले आते है। यह प्रदेश गन्ना उत्पादक प्रदेश है जो चीनी उद्योगो के लिए कच्चा माल उपलब्ध कराता है।

- चूँकि चीनी एक भार ह्रास मूलक उद्योग है अतः इसका संकेन्द्रण गन्ना उत्पादक क्षेत्रो के आस-पास हुआ है।

- बिहार में कुल ____ चीनी मिलो में से ____ इसी प्रदेश में स्थित है। मढ़ौरा (सारण), महाराजगंज, चनपटिया, गोपालगंज, पचरुखी, हथुआ, नरकटियागंज इत्यादि इसी क्षेत्र के प्रमुख केन्द्र है।

- लेकिन इस क्षेत्र की यानि चीनी उद्योग प्रदेश की अधिकांश मिले बंद है क्योंकि मशीने और तकनीके पुरानी हो चुकी है। हालाँकि जीर्णोद्धार का काम प्रारंभ है।

- गन्ने के किस्म में सुधार तथा उत्पादन का उच्चतम उपयोग इस औ० प्रदेश के विकास मे सहायक हो सकता है।

चावल - मील औद्योगिक प्रदेश ——

इस औद्योगिक प्रदेश का विकास बिहार के उत्तरी ~~पश्चिमी~~ भाग में बड़े पैमाने पर हुआ है। यहाँ पर नेपाल और बिहार के धान बड़ी आसानी से उपलब्ध हो जाते है।

पश्चिमी मे रामनगर से लेकर पूरब में किशनगंज तक चावल मील लघु उद्योग के रूप में विकसित है। रामनगर, नरकटियागंज, रक्सौल, अहापुरा, सीतामढ़ी, जनकपुर रोड, जयनगर, झंझारपुर, जोगबनी, फारबिसगंज, चावल प्रसंस्करण के प्रमुख केन्द्र है।

- अत्याधिक सघन जनसंख्या यहाँ के चावल मिलो को आवश्यक बाजार उपलब्ध कराता है

जूट औद्योगिक प्रदेश ——

- यह औद्योगिक प्रदेश बिहार के उत्तरी पूरबी भाग में विस्तृत है। पूर्णिया, कटिहार, अररिया, किशनगंज जिलो में बसा है। औद्योगिक प्रदेश में अधिक संकेन्द्रण है। वैसे कटिहार और पूर्णिया जिलो मे मुख्य रूप से जूट उद्योग केन्द्रीत है।

- यद्यपि यह जूट आधारित औद्योगिक क्षेत्र है लेकिन कटिहार और पूर्णियाँ मे सूती वस्त्र भी बनाए जाते है। पूर्णियाँ में कीटनाशक बनाने का कारखाना है तथा दुग्ध प्रसंस्करण केन्द्र है।

27

पश्चिम बंगाल तथा बंगाल देश से प्रतिस्पर्धा से बिहार के जूट उद्योग में के विकास में बाधा उत्पन्न हुई है। कृत्रिम धागों का अत्यधिक प्रयोग ने भी इस उद्योग के विकास को प्रभावित किया है।

पश्चिमी मध्यवर्ती औ० प्रदेश —

यह औद्योगिक प्रदेश गंगा के सटे पश्चिमी बिहार में पतली पट्टी के रूप में फैला हुआ है। इसका विस्तार बक्सर से बरौनी तक है। अधिकांश उद्योग गंगा के दक्षिणी तट पर विस्तृत हैं लेकिन राजेन्द्र नगर पुल और गाँधी सेतु के निर्माण के बाद गंगा के उत्तरी भाग से भी जुड़ गया है।

- बरौनी इस औद्योगिक प्रदेश का मुख्य केन्द्र है। अन्य केन्द्रों में – पटना, हाजीपुर, फतुहा, डुमराव, बिहिया मोकामा इत्यादि प्रमुख हैं।

- बरौनी तेलशोधन और रासायनिक उद्योग का प्रमुख केन्द्र है यहाँ तापविद्युत भी तैयार किया जाता है। वर्तमान में यहाँ दुग्ध-उत्पाद भी विकसित हुआ है।

- हाजीपुर में व्लाइवुड उद्योग का विकास हुआ है। वर्तमान में इसे इलेक्ट्रॉनिक city के रूप में विकसित किया जा रहा है।

  ↳ फल प्रसंस्करण केन्द्र भी यहाँ विकसित किया गया है।

- मोकामा में माल-गाड़ी-डिब्बे तथा चमड़ा उद्योग विकसित हुआ है।

पटना ~~साके~~ सिलाई कपड़े इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग का केन्द्र है।

- दीघा में चमड़ा तथा फुलवारीशरीफ में सूती वस्त्र उद्योग का विकास हुआ है।
- बिहटा और डुमराव दोनों चीनी उद्योग का प्रमुख केन्द्र है।
- इस औद्योगिक प्रदेश को राजधानी क्षेत्र का स्वभाविक लाभ प्राप्त हुआ है। बरौनी को कच्चे तेल पाइपलाइन से जोड़ा गया है। यहाँ के औद्योगिक केन्द्र सड़क व रेल- सुविधा से सम्पन्न है। यही कारण है कि यहाँ उद्योगों के विविधीकरण को बल मिला है लेकिन यह क्षेत्र जमीन की कमी, प्रदूषण तथा नाकारात्मक राजनीतिक माहौल का शिकार रहा है अतः औद्योगिक विकास सही नहीं हुआ है।

पूर्वी मध्यवर्ती औद्योगिक प्रदेश —

इस औ० प्रदेश का मुख्य केन्द्र मुंगेर, भागलपुर, जमालपुर, तथा कहलगांव है। समीप से तंबाकू की आपूर्ति के कारण सिगरेट बनाने के कारखाने का विकास हुआ है।

- जमालपुर में रेलवे वर्कशॉप स्थित है।
- भागपुर के नाथनगर में रेशमी वस्त्र बनाने का कार्य किया जाता है।
- कहलगांव में NTPC का तापविद्युत केन्द्र स्थित है।

इन प्रमुख उद्योगों के अलावे दाल, चावल, आटा की मिले तथा लकड़ी उद्योग भी (फर्नीचर उद्योग) विकसित हुए हैं।

केन्द्र सरकार द्वारा मुंगेर में बंदूक बनाने का कारखाना बनाया गया है। यह क्षेत्र प्रारंभ से ही कानून-व्यवस्था तथा उग्रवाद की स्थिती से प्रभावित रहा है जिससे औद्यो० विकास बाधित हुआ है।

~~इस क्षेत्र में प्रा.~~

सोन-घाटी औद्योगिक प्रदेश —

यह बिहार का खनिज आधारित प्रमुख औद्योगिक प्रदेश है जिसका विस्तार सोन नदी के किनारे 2 जपला से डालमियानगर तक हुआ है।

- यह क्षेत्र कैमूर पहाड़ी से नजदीक है जो खनिज संसाधन विशेषकर चुना-पत्थर, सल्फर, वन सम्पदा से संपन्न है। इसी पर आधारित सिमेंट उद्योग तथा सल्फैरिक Acid उद्योग का विकास हुआ है।

- सल्फेरिक Acid उद्योग अमझोर (अब यह बन्द है) जबकि जपला, बंजारी, कल्याणपुर, डालमियानगर, औरंगाबाद सिमेंट उद्योग के केन्द्र हैं।

- डालमियानगर में रोहतास तथा कैमूर के वन प्रदेश के उत्पाद पर आधारित कागज उद्योग का विकास हुआ है।

- यहाँ चीनी, चावल और वृहस्पति तेल का प्रमुख केन्द्र है। वर्तमान समय में यहाँ दुग्ध प्रसंस्करण केन्द्र भी स्थापित किया गया है।

डालमियानगर इस क्षेत्र का सबसे बड़ा औद्योगिक केन्द्र है जिसे सोन नदी की सुविधा उपलब्ध है, रोहतास व कैमूर पठार के खनिज संसाधन उपलब्ध है।

NH - 2 तथा दिल्ली- हावड़ा रेल लाइन की सुविधा उपलब्ध है।

- अर्थात यह केन्द्र सड़क, जल और रेल से युक्त सुविधा से युक्त है। समीप के सस्ते श्रमिक आसानी से उपलब्ध है। प्रारंभिक औद्योगिक विकास का भी लाभ इस प्रदेश को मिला।

गया- गुरारू औद्योगिक प्रदेश ——

- यह दक्षिण बिहार के द० सीमा पर स्थित प्रमुख औ० प्रदेश है। पत्थर तोड़ने, तिलकुट उद्योग, जुट उद्योग और सूती वस्त्र उद्योग, पर्यटन उद्योग का प्रमुख केन्द्र रहा है। कलात्मक मूर्तियाँ बनाने का प्रमुख केन्द्र गया के पास मानपुर में है। यह केन्द्र सुती व जुट उद्योग का भी प्रमुख केन्द्र है।

- गया में कृषि आधारित उद्योग - तिलकुट उद्योग का विकास हुआ है जबकि गुरारु में चीनी उद्योग कारखाने का विकास हुआ है।

उपरोक्त औ० प्रदेश के तस्वीर से बिहार के औद्योगिक प्र[illegible] की खुशहाली उभर कर सामने आती है। लेकिन इसके पीछे एक भयानक तस्वीर यह भी है कि जो बिहार को औ०

रता से पिछड़ा हुआ घोषित करता है।

कुल 1,18,441 औद्योगिक इकाईयों में से 30,431 औद्योगिक इकाईयाँ बंद है।

बड़े और मझौले 298 औद्योगिक ईकाईयों में से 28 या तो बंद है या बंद होने के कगार पर है।

भारत के कुल औद्योगिक उत्पादन में बिहार का योगदान लगातार घट रहा है।

हाल ही में जारी नीति आयोग के Report के अनुसार बिहार अन्य राज्यों में सबसे निम्नतम स्तर पर है।

Fig:- बिहार के प्रमुख औद्योगिक प्रदेश

INDEX

1. चीनी औ० प्र०
2. चावल - मील औ० प्र०
3. जुट - उद्योग क्षे - -
4. पश्चिमी मध्यवर्ती - -
5. पूर्वी मध्यवर्ती - -
6. सोन-घाटी औ० प्र०
7. गया - मुंगेर औ० प्र०